(ग) तथा (घ) : चाय की कीमतों को स्थिर करने के लिए सरकार ने चाय उत्पादकों का सहयोग मांगा है। कई चाय उत्पादक कम्पनियों ने या तो अपने कार्यालयों अथवा अपने अभिकर्ताओं के माध्यम से कई नगरों में खुली व पैकेट वाली चाय की खुदरा बिक्री शुरू कर दी है।

उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीकृत बैंकों की शाखाएं खोला जाना

746. श्री गंगा भक्त सिंह : क्या वित्त प्रधान मंत्री तथा वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश की मांग को देखते हुए राज्य के प्रत्येक जिले में खोली गई राष्ट्रीय/कृत बैंकों की शाखाओं की संख्या काफी कम है और यदि हां, तो भिन्न-भिन्न स्थानों पर 1979–80 में किस किस बैंक की कितनी-कितनी शाखाएं खोली जायेंगी; और

(ख) राष्ट्रीयकृत बैंकों की शाखाओं ने 1978–79 में किसानों और लघु उद्योगों को कितना ऋण दिया ?

वित्त मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री बुल्लिकार उल्लाह) : (क) जून, 1978 के अंत तक, उत्तर प्रदेश राज्य में 48 जिलेथे जिनमें प्रति ग्रामीण/अर्द्ध शहरी शाखा जनसंख्या 20,000 से अधिक थी। भारतीय रिजर्व बैंक ने यह अनुमान लगाया है कि जनसंख्या व्याप्ति के इस स्तर तक पहुंचने के लिए, 1979–81, की, तीन वर्षों की अवधि के दौरान, इन जिलों में 1686 शाखाएं खोली जायेंगी। इन शाखाओं के सही स्थानों तथा अन्तः बैंक नियतन विषयक निर्णय को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा राज्य सरकार तथा संबंधित बैंकों से परामर्श करके अन्तिम रूप दिया जा रहा है।

(ख) जून, 1978 के अंत तक उत्तर प्रदेश राज्य में सरकारी क्षेत्र के बैंकों द्वारा कृषि तथा छोटे पैमाने के उद्योगों को दिये गये ऋण क्रमशः 193.7 करोड़ रुपये तथा 132.1 करोड़ रुपये के थे।

छठी योजना के दौरान उत्तर प्रदेश में पर्यटकों को सुविधायें देने के लिये धन का आवंटन

747. श्री गंगा भक्त सिंह : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उत्तर प्रदेश के पर्यटन स्थलों को और अधिक आकर्षक बनाने और पर्यटकों को अधिक सुविधाएं देने के लिये छठी पंचवर्षीय योजना में कितनी राशि मंजूर की गई है; और

(ख) ऐसे पर्यटक स्थलों के नाम क्या है जहां कार्य शीघ्र आरम्भ किया जायेगा ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) और (ख). एक विवरण संलग्न है जिस में उत्तर प्रदेश के वे केन्द्र दर्शाए गए है जहां पंच वर्षीय योजना अवधि 1978–1983 के दौरान केन्द्रीय सैक्टर के अन्तर्गत पर्यटक सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं/प्रदान किए जाने का प्रस्ताव है। 1978–79 में इन में से कुछ स्कीमों पर कार्य पहले ही प्रारम्भ किया जा चुका है

विवरण

केन्द्र	स्कीम	अनुमत स्वीकृत राशि
कुशीनगर/श्रावस्ती . .	बौद्ध तीर्थयात्रियों के यातायात के विकास के लिए क्षेत्र का माइक्रोप्लानिंग	8 लाख रुपए
कुशीनगर . .	यात्री गृह का विस्तार	संशोधित संबंधी अध्ययन किया जा रहा है।
ब्रज भूमि कम्पलैक्स . .	क्षेत्र के लिए भूमि प्रयोग की महायोजना (मास्टर प्लान)	प्राक्कलनों की प्रतीक्षा है।
पिपरवाह . . .	भूमि प्रयोग के लिए महायोजना	75,000/- रु.
फतेहपुर सीकरी . .	भूमि प्रयोग के लिए महायोजना	10.40 लाख रु.
उत्तर प्रदेश हिमालय . .	यात्रा मार्गों (रूटों) का विकास	
कार्बेट नेशनल पार्क . .	वन-गृह	
वाराणसी . . .	होटल वाराणसी अशोक का विस्तार	35 लाख रुपए की अनुमानित लागत पर
आगरा . . .	50-कक्षों वाला होटल . . .	75 लाख रुपए की अनुमानित लागत पर